



॥ श्री हानुमान चालिशा ॥

॥ दोहा ॥

श्री गुरु चरण सरोज रज निजमन मुकुर सुधारि, वरणौ रघुवर विमलयश जो दायक फलचारि ॥

बुद्धिहीन तनुजानिकै सुमिरौ पवन कुमार, बल बुद्धि विद्या देह मोहि हरह कलेश विकार ॥

॥ चौपाई ॥

जय हनुमान ज्ञान गुण सागर | जय कपीश तिल लोका उजागर ॥
रामदूत अतुलित बलधामा | अंजनि पुत्र पवनसुत नामा ॥
महावीर विक्रम बजरङ्गी | कुमति निवार सुमति के सङ्गी ॥
कंचन वरण विराज सुवेशा | कानन कुण्डल कुण्ठित केशा ॥
हाथवज्र ओ ध्वजा विराजै | कांथे मृंज जनेवु साजै ॥
शंकर सुवन केसरी नन्दन | तेज प्रताप महाजग बन्दन ॥
विद्यावान गुणी अति चातुर | राम काज करिबे को आतुर ॥
प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया | रामलखन सीता मन बसिया ॥
सूक्ष्म रूपधरि सियहि दिखावा | बिकट रूपधरि लंक जरावा ॥
भीम रूपधरि असुर संहारे | रामचंद्र के काज संवारे ॥
लाय संजीवन लखन जियाये | श्री रघुवीर हरषि उरलाये ॥
रघुपति कीन्ही बहत बडायी | तुम मम प्रिय भरतहि सम भायी ॥
सहस बदन तुम्हरो यशगावै | अस कहि श्रीपति कण्ठ लगावै ॥
सनकादिक ब्रह्मादि मुनीशा | नारद शारद सहित अहीशा ॥
यम कुबेर दिगपाल जहां ते | कवि कोविद कहि सके कहां ते ॥
तुम उपकार सुग्रीवहि कीन्हा | राम मिलाय राजपद दीन्हा ॥
तुम्हरो मन्त्र विभीषण माना | लंकेश्वर भये सब जग जाना ॥
युग सहस्र योजन पर भानू | लीलेया तहि मधुर फल जानू ॥
प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माही | जलधि लांघि गये अचरज नाही ॥
दुर्गम काज जगत के जेते | सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ॥

রাম দুআরে তুম রখবারে | হোত ন আজ্ঞা বিনু পৈসারে ||
সব সুখ লহৈ তুমহারী শরণা | তুম রক্ষক কাহু কো ডর না ||
আপন তেজ তুমহারো আপৈ | তীনোং লোক হাংক তে কাংপৈ ||
ভূত পিশাচ নিকট নহি আবৈ | মহবীর জব নাম সুনাবৈ ||
নাসৈ রোগ হরৈ সব পীরা | জপত নিরংতর হনুমত বীরা ||
সংকট সেং হনুমান ছুডাবৈ | মন ক্রম বচন ধয়ান জো লাভৈ ||
সব পর রাম তপস্বী রাজা | তিনকে কাজ সকল তুম সাজা ||
ঔর মনোরধ জো কোয়ি লাভৈ | তাসু অমিত জীবন ফল পাবৈ ||
চারো যুগ পরিতাপ তুমহারা | হৈ পরসিদ্ধ জগত উজিয়ারা ||
সাধু সন্ত কে তুম রখবারে | অসুর নিকন্দন রাম দুলারে ||
অষ্টসিদ্ধি নব নিধি কে দাতা | অস বর দীনহ জানকী মাতা ||
রাম রসায়ন তুমহারে পাসা | সাদ রহো রঘুপতি কে দাসা ||
তুমহরে ভজন রামকো পাবৈ | জন্ম জন্ম কে দুখ বিসরাবৈ ||
অংত কাল রঘুবর পুরজায়ী | জহাং জন্ম হরিভক্ত কহায়ী ||
ঔর দেবতা চিত্ত ন ধরয়ী | হনুমত সেয়ি সর্ব সুখ করয়ী ||
সংকট কটে মিটে সব পীরা | জো সুমিরৈ হনুমত বল বীরা ||
জৈ জৈ জৈ হনুমান গোসায়ী | কৃপা করো গুরুদেব কী নায়ী ||
জো শত বার পাঠ কর কোয়ী | ছুটহি বন্দি মহা সুখ হোয়ী ||
জো য়হ পড়ে হনুমান চালীসা | হোয় সিদ্ধি সাখী গৌরীশা ||
তুলসীদাস সদা হরি চেরা | কীজৈ নাথ হৃদয় মহ ডেরা ||

|| দোহা ||

পবন তনয় সঙ্কট হরণ – মঙ্গল মূর্তি রূপ |
রাম লখন সীতা সহিত – হৃদয় বসন্ত সুরভূপ ||
